वैज्ञानिक प्रबन्धन (Scienctific management) का क्या महत्व है या लुथर गुलिक के "POSDCORB" शब्द से प्रबंधन के सम्बंध बतलाएँ या प्रबंधन के तत्वों को बतलाएँ ?

उत्तर: प्रबंधन एक ऐसी प्रक्रिया है जो संगठन के लक्ष्य तथा उद्देश्य कि प्राप्ति के लिए कार्य करता है। आधुनिक प्रबंधन का एक विशिष्ठ लक्षण इसका वैज्ञानिक दृष्टिकोण हैं अतः वर्त्तमान प्रबंधन वैज्ञानिक प्रबंधन (Scientific management) के नाम से जाना जाता है। वैज्ञानिक प्रबंधन, फ्रैडिक डब्लू० टेलर (Fredric w. taylor) (1850-1915) के उपदेशों तथा नितियों का लगभग पर्यावाची है। टेलर का सारा जीवन उत्पादन में कार्य क्षमता बढ़ाने में लगा।

लागत कम करने, लाभ बढ़ाने के साथ-साथ श्रमिकों का वेतन बढ़ाने की ओर भी उनका ध्यान रहा। वैज्ञानिक प्रबंधन" टेलर और उसके अनुयात्रियों जार्ज बार्थ, गांट, गिलब्रेथ आदि के कार्यानुभय से उत्पन्न हुए सिद्धांत का ही नाम है।

सर्वप्रथम हेनरी फियोल (henry Fayol) ने 1916 में प्रबंधन के कार्यों का व्यवस्थित अध्ययन करके उनको क्रमबद्ध किया। उन्होंने प्रबंधन के पाँच कार्य बताएँ।

1.नियोजन (Planning)

2.संगठन (organization)

3.निर्देशन (Direction)

4.समन्वय (Co-ordination)

5.नियंत्रण (controlling)

प्रबंधन के तत्व:

लुथर गुलिक और एल० उर्विक द्वारा प्रबंधन के सात नए फलनो को लेकर एक नए शब्द की रचना किया जिसे "POSDCORB" कहा जाता है प्रबंधन के क्षेत्र में इन सारे अक्षरों के अपने-अपने महत्व है।

(1) पी

(ii) ओ

योजना

संगठन

ऐँफ़

संगठनात्मक

(iii) एस

स्टाफ

कार्मिक व्यवस्था

(iv) डी-दिशानिर्देश

(v) सी-ओ -समन्वय संगति

(vi) आर-रिपोर्टिंग-प्रतिवेदन करना

(vii) बी- बजट बनाना

1. नियोजन (Planning): नियोजन प्रबंधन का प्रमुख कार्य है। यह एक बौद्धिक क्रिया है जिसमें किसी भी संस्था के निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए नितियों का चयन किया जाता है। नियोजन के अंतर्गत इस बात का पूर्व में ही निर्धारण कर लिया जाता है कि क्या करना है? कैसे करना है? इस प्रकार नियोजन भविष्य को ध्यान में रखकर नीति बनाने की प्रक्रिया है।

पुस्तकालय में नियोजन की आवश्यकता होती है। पुस्तकालय के नियोजन में भी स्थानिय स्थिति, भाषा, शिक्षा का स्तर आदि पर पूर्व विचार करना आवश्यक होता है। इसके अलावा कार्यों तथा सेवाओं के निस्पादन के सम्बंध में योजना तैयार किया जाता है।

संगठित करना (Organisation): संगठन बनाने से तात्पर्य है लक्ष्य या उद्देश्य की

2. पूर्ति के लिए सामुहिक रूप से आगे बढ़ने कि प्रक्रिया। संगठन की दिशा ऐसी होनी चाहिए कि सभी कर्मचारी एक संगठित अवस्था में सुत्रबद्ध किया जो वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित हो जिससे कार्य सुचारू ढंग से संचालित हो सके।सामुहिक रूप से कार्य होना चाहिए।

कर्मचारी व्यवस्था (Staffing): जहाँ संगठनात्मक संरचना विभिन्न कार्यों को सम्पन्न

3. करने के लिए विभिन्न पदों का सृजन करती है वही Staffing (कार्मिक व्यवस्था) उन पदों को संभालने के लिए उपयुक्त व्यक्तियों की उपलब्धता सुनिश्चित करती है। किसी भी संगठन को प्रभावी बनाने के लिए सही कर्मचारी व्यवस्था का होना आवश्यक है। वस्तुत: किसी भी संगठन की शक्ति कर्मचारी ही है।

4. निर्देशन (Direction): निर्देशन एक उच्च प्रबंधकीय गतिविधि है। निर्देशन का कार्य संस्था के कर्मचारी को उद्देश्यों की प्राप्ति की दिशा की ओर ले जाना है। निर्देशन का कार्य उच्च प्रबंधक द्वारा कर्मचारियों को अच्छे परिणाम के लिए गाइड करना होता है।

समन्वय (Co-ordination): किसी संस्था में कार्य पुर्णता को हासिल करने के लिए

5 विभिन्न गतिविधियों को संयोजित करना ही समन्वय है। दूसरे शब्दों में समन्वय साथ मिलजूल कर कार्य करने की अवस्था है। समन्वय द्वारा कर्मचारियों द्वारा लक्ष्य प्राप्ति के प्रयास को विखरने से बचाना होता है।

प्रतिवेदन (Reporting)

6. प्रतिवेदन निर्देशन का प्रतिलोम शब्द है। निर्देशन उच्च स्तर से नीचे स्तर पर निर्देश के विपरीत प्रतिवेदन, में नीचे स्तर के प्रबंधक द्वारा उच्च प्रबंधक के पास विशेष अवधि के दौरान उलब्धियों तथ अनुपलब्धियों की सूचना भेजना है। प्रतिवेदन स्वस्थ्य मूल्याकंन में सहायता प्रदान करता है। पुस्तकालय रिर्पोट प्राय: वार्षिक होता है।

बजट बनाना (Budgeting): बजट तैयार करना प्रबंधन का महत्त्वपूर्ण कार्य है।

7. अच्छे बजट पर ही संस्था का भविष्य निर्भर करता है। इसके तहत वित्तिय आय के स्त्रोत तथा उसका उपयोग का समुचित बंटवारा होनी चाहिए। पुस्तकालय का बजट लाइब्रेरियन द्वारा तैयार किया जाता है और इसके लिए आंतरिक परिस्थितियों का मूल्यांकन किया जाता है।

वैज्ञानिक प्रबंधन के अंतर्गत मूलतः इन बातों का समावेश होता हैं वैज्ञानिक प्रबंधन के तहत मनोविज्ञान के उदभव कार्मिक प्रबंधन की वृद्धि तथा मानवीय सम्बंधों को प्रबंधन से साझा दृष्टिकोण का सुत्रपात हुआ। इसके अंतर्गत संस्था की कार्यक्षमता बढ़ाना लागत कम करना तथा उत्पादन बढ़ाना तथा साथ ही साथ श्रमिकों का वेतन बढ़ाना भी है।

_____Manisha_____